

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 03 मई, 2010

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु खनन प्रशासन का अधिष्ठान मद अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:265/लेखा/बजट/आयोजनागत/आयोजनेत्तर/2010-11 दिनांक 5.5.2010 तथा शासनादेश संख्या: 187/XXVII(1)/2010 दिनांक 30 मार्च, 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई के 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान मद अन्तर्गत अवचनबद्ध मदों की समस्त धनराशि निम्न विवरणानुसार, कुल ₹0 23.75 लाख (₹0 तेईस लाख पचहत्तर हजार मात्र) व्यय किये जाने हेतु आपके निर्बतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

कोड/मद का नाम	आवटित धनराशि (₹0 हजार में)
04-यात्रा व्यय	300
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	100
08-कार्यालय व्यय	275
11-लेखन सामग्री एवं फार्मों की छपाई	250
16-व्यावसायिक और विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	600
18-प्रकाशन	400
29-अनुरक्षण	50
44-प्रशिक्षण पर व्यय	100
45-अवकाश यात्रा व्यय	100
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण एवं तत्संबंधी स्टेशनरी का कय	200
कुल योग	2375
(₹0 तेईस लाख पचहत्तर हजार मात्र)	

2- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी०एम०-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा, तथा प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा। यदि नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत करा दिया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3— उक्त धनराशि आपके द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावानुसार अवचनबद्ध मदों में ही स्वीकृत की जा रही है व आपके निर्वतन पर इस आशय से रखी जा रही है कि अवचनबद्ध मदों में धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय, तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4— व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरांत व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

5— अवचनबद्ध मदों में उक्त बजट आवंटन की सीमा में ही व्यय को सीमित रखा जायेगा। स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2011 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

6— उपकरण/फर्नीचर आदि का क्रय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 में प्राविधानों शर्तों/प्रतिबन्धों का अनुपालन करते हुए किया जायेगा।

7— कम्प्यूटर आदि का क्रय एन0आई0सी0/आई0टी0 विभाग की संस्तुति से अथवा उनके दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किया जायेगा।

8— उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक 2853-अलौह खनन तथा धातु कर्म उद्योग, 02-खानों का विनियमन तथा विकास, 001-निर्देशन तथा प्रशासन (लघु शीर्षक 003 के स्थान पर), 03-खनन प्रशासन का अधिष्ठान, 00- आयोजनेत्तर मद अन्तर्गत प्रस्तर-1 में उल्लिखित प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

9— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 157/XXVII(2)/2010 दिनांक 25 मई 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीया,

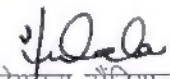
(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1612(1)/VII-II-10/50-ख/2006 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव-मा० मुख्यमंत्री जी।
3. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
5. उप निदेशक/नोडल अधिकारी बजट, उद्योग निदेशालय, देहरादून।
- ✓ 6. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।